1.तेरी है जमी

स्वाध्याय

1. आपके मत से सुष्टि में सर्वोपरी कौन है ? क्यों ?

- मेरे मत से सुष्टि मे ईश्वर ही सर्वोपरी है, क्योकि वह सर्वशक्तिमान है ! वह जीसे बचाना चाहे, उसे कोई मार नही सकता और वह जीसे मारना चाहे, उसे कोई बचा नही सकता |

2. आप भगवान से क्या प्रार्थना करते है ?

- हम भगवान से यह प्रार्थना कराते है की वे लोगो पर अपनी कुपादुष्टि बनाए रखे | लोग किस हालत मे है, इसकी वे हमेशा खबर लेते है |

3. आपके मत से सुष्टि में सर्वोपरी कौन है ? क्यों ?

- मेरे मत से सुष्टि मे ईश्वर ही सर्वोपरी है, क्योकि वह सर्वशक्तिमान है ! वह जीसे बचाना चाहे, उसे कोई मार नही सकता और वह जीसे मारना चाहे, उसे कोई बचा नही सकता |

4. आप भगवान से क्या प्रार्थना करते है ?

- हम भगवान से यह प्रार्थना कराते है की वे लोगो पर अपनी कुपादुष्टि बनाए रखे | लोग किस हालत मे है, इसकी वे हमेशा खबर लेते है |

5. आप ईश्वर से प्रार्थना कैसा समय करते है ? क्यो ?

- मै सुबह उठता हु तब और रात को सोने के समय ईश्वर की पार्थना करता हु | यह समय ही मूझे पार्थना के लीए अनूकूल लगता है !

6. भिन्न भिन्न धर्मा के लोग प्रार्थना करने के लीए कहा कहा जाते है ?

- प्रत्येक धर्म के लोग अपने-अपने पुजास्थानो मे प्रार्थना करने के लीए जाते है | हीन्दु मदिर मे, मुसलमान मस्जिद मे, ईसाई चर्च मे, सिक्स गुरुद्वारा मे और पारसी आगीयारी मे पार्थना करने के लीए जाते है |

7. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश-क्रम के अनुसार लिखिए |

- हदय, मनुष्य, सूख, शाति, मित्र डॉक्टर, योद्धा, श्रुखला, नाविक, और, धन, क्षमता, उज्ज्वल, माँ^दिर, दूध, स्वर, धारा

उज्ज्वल, और, क्षमता, डॉक्टर, दूधा, द्रष्टी, धन, धारा, नाविका, मदिर, मनुष्य, मित्र, याद्धा, शांति, श्रुखला, सुख, स्वर, ह्रदय |

इस चित्र की मदद से एक कविता की रचना कीजिए |

हे सूर्य देवता,

हे जीवन दाता,

तुम हो हमारे पिता और माता |

तुमसे होती है सुबह और शाम,

तुम देखते हो हमारे सब काम,

धरती का कण तुम्हारे गुण गाता |

तुमसे बड़ा है कोई न दानी,

तुमसे मिलते प्रकाश और पानी,

तुमसे सारा जहान सुख पाता|

हे सूर्य देवता, हे जीवन दाता |

8. वचन बदलकर वाक्य फिर से लिखिए :

(१) **मैंने कविता लिखी |**

(२) **यहाँ मेरी किताब है |**

(३) **इसे लड्डू दे दो |**

- हमने कविता लिखी |
- ये हमारी किताबे हैं |
- इन्हें लड्डू दे दो |

9. कवि ईश्वर से क्या चाहते हैं ?

- कवि चाहते हैं की ईश्वर लोगों के अपराधों को क्षमा कर दे | वह हमेशा लोगों पर अपनी कृपादृष्टि रखे | दुनिया के लोग किस हालत में हैं, इसकी वह हमेशा खबर रखे और दुनिया पर आनेवाली आफतोंको दुर करे |

'तू अपनी नज़र हम पर रखना' ऐसा कवि क्यों कहते हैं ?

- ईश्वर की ईच्छा से ही दुनिया में हमारा जन्म हुआ हैं | उसीकी कृपा से हमें यह शरीर और ये प्राण मिले हैं | हमारा जीवन उसीके भरोसे हैं, क्योकि वही हमारा रखवाला हैं | इसलिए कवि ईश्वर से हम पर अपनी नजर रखने के लिए कहते हैं ?

10. कवि किसे सबसे ताकतवाला मानते हैं ? क्यों ?

- कवि ईश्वर को सबसे ताकतवाला मानते हैं |
- ईश्वर सर्वशक्तिमान हैं | वासा सब कुछ कर सकता हैं | वह जिसे चाहे उसे जीवन दे सकता हैं ओर जिसका चाहे उसका ले सकता हैं ? वह हर आफत को रउरा करने में समर्थ हैं | इसलिए कवि ईश्वर को सबसे अधिक ताकतवाला मानते हैं ?

11. कवि खुदा से क्या कहना चाहते हैं ?

- कवि खुदा से कहना चाहते हैं की वह सर्वशक्तिमान और दयालु हैं | हम सभी लोग ईश्वर के सामने सिर झुकाकर खड़े हैं | वह सब पर अपनी कृपाद्ष्टि बनाए रखे और लोगों पर आई हुई विपत्तियो को दुर करता रहे |

हे ईश्वर ! तेरी कृपा से मुझे शरीर और प्राण मिले हैं। चाहे जो भी हो, तुम अपनी कृपा दृष्टि हम पर सदा रखना।

- तेरी रहमत से हम सबने,
  ये जिस्म ओ पाए हैं |
  तू अपनी नजर हम पर रखना
  किस हाल में हैं, ये खबर रखना...

हे प्रभु ! ये सारा संसार तेरा है, तू बड़ा दयालु है। तू हम पर अपनी दया दृष्टि रखना।

- तेरी हैं जमी, तेरा आसमान,
  तू बड़ा मेहरबाँ, तू बखशीश कर |

अपूर्ण काव्य पूर्ण कीजिए :

मेरी प्यारी-प्यारी गाय
घर की राज दुलारी गाय
_____
_____

- मेरी प्यारी प्यारी गाय
  घर की राज दुलारी गाय |
  कोई भी देखे खुश हो जाए,
  देसी न्यारी मेरी गाय |

इस प्रार्थना को अपनी मातृभाषा में लिखिए।

હે ઇશ્વર, અમે તારા ભક્ત છીએ.
અમારાં કર્મ એવાં હોય કે
પ્રામાણિકતાથી વર્તીએ અને બૂરાઈથી દૂર રહીએ,
જેથી હસતાં-સહતાં અમારા પ્રાણ નીકળે.
આ સઘન અંધકાર છવાઈ ગયો છે અને તારા મનુષ્ય ડરી રહ્યા છે;
સર્વથી અજાણ બની ગયા છે અને તે મન્કેશુંય નજરે પડતું નથી,
સુખનો સૂર્ય છુપાઈ ગયો છે,

તારા પ્રકાશમાં એવી શક્તિ છે કે
તું અમાસને પૂનમ બનાવી શકે છે !
મનુષ્ય ખૂબ નિર્બળ છે,
હજી તે નામાંલાખો ક્ષતિઓ છે,
પરંતુ તું જે વિદ્યમાન છે અને ખૂબ દયાળુ છે.
તારી કૃપાથી ધરતી સ્થિર છે.તે અમે સૌને જન્મ આપ્યો છે,
તું અમારા સૌનાં દુ:ખ સહન કરશે.જ્યારે અત્યાચારનો સામનો કરવાનો હોય
ત્યારે તું જ અમને સંભાળી લે જે
તે ઓબૂરાઈ કરે અને અમે ભલાઈ કરીએ.
અમારામાં બદલો લે વાઅનીભાવના ન હોય.
અમે દરે કઅગલું પ્રે મુંનભરીએ
અને વે રલે વાનોભ્રમ દૂર થાય.